बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-351**
02/10/2019

गॉधी जी के सपनों का समाज हम बनाना चाहते हैं :– मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने किया जल–जीवन–हरियाली अभियान का शुभारंभ

पटना, 02 अक्टूबर 2019 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने सम्राट अशोक कन्वेंशन केंद्र स्थित ज्ञान भवन में आज गांधी जी की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित "गांधी विचार समागम" का दीप प्रज्ज्वलित कर उदघाट्न किया और जल–जीवन–हरियाली अभियान का रिमोट के माध्यम से शुभारंभ किया। 'गॉधी विचार समागम' में विभिन्न विषयों पर गांधी जी के विचारों पर विभिन्न विद्वान वक्ताओं द्वारा 11 सत्रों में 2 से 3 अक्टूबर तक चर्चा होगी।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि "गांधी विचार समागम" में आये हुये आप सब अतिथियों का अभिनंदन करता हूँ। 10 अप्रैल 1917 को चंपारण सत्याग्रह के 100 साल पूरे होने पर देश से आए हुए विभिन्न विद्वानों के द्वारा 'विमर्श' कार्यक्रम का आयोजन हुआ था और इस भव्य सभागार का उद्घाट्न भी हुआ था। गांधी जी के विचारों पर विस्तृत चर्चा हुई थी और उस चर्चा को पुस्तक के रुप में प्रकाशित किया गया। उन्होंने कहा कि आज और कल जो चर्चाएं होंगी, उसका भी संकलन एक पुस्तक के रुप में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचारों के प्रति सभी लोगों की श्रद्धा है। चंपारण सत्याग्रह में गांधी जी की भूमिका काफी महत्वपूर्ण थी। देश में जो सत्याग्रह शुरु हुआ और उससे लोगों में जो जागृति आयी, उसके परिणामस्वरुप अगले 30 वर्षों में देश को आजादी मिली। उन्होंने कहा कि गांधी जी चंपारण सत्याग्रह के दौरान जिन–जिन जगहों पर गए वहां एक वर्ष तक हमलोगों ने कार्यक्रम चलाया। गांधी जी के महत्वपूर्ण विचारों को एक–एक घर तक पहुंचाया गया। देश भर के कई स्वतंत्रता सेनानियों को उस विमर्श कार्यक्रम में सम्मानित किया गया, जिसमें उस समय के राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी भी उपस्थित थे। गांधी जी कहते थे मेरा जीवन ही मेरा संदेश है। गांधी जी के कथावाचन के लिए दो पुस्तक प्रकाशित की गई, पहली पुस्तक तीसरे से आठवें क्लास तक "बापू की पाती" जिसमें 45 कहानियां हैं, जबकि दूसरी पुस्तक 9वीं से 12वीं कक्षा के लिए "एक था मोहन" शीर्षक से प्रकाशित की गयी। कथावाचन के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया ताकि वे बच्चों को अच्छे तरीके से समझा सकें। हमलोग गांधी जी के विचारों से नई पीढ़ी के लोगों को अवगत कराना चाहते हैं। यदि 10 से 15 प्रतिशत नई पीढ़ी के लोगों में गांधी जी के विचारों के प्रति आकर्षण पैदा हो जाए तो समाज और देश बदल जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गांधी जी ने पर्यावरण के प्रति अपने विचार में कहा था कि पृथ्वी सबकी जरुरतों को पूरा करने में सक्षम है लालच को नहीं। हमलोगों ने हर घर तक बिजली पहुंचाई है लेकिन लोग उसका सदुपयोग करें, दुरुपयोग नहीं। हर घर नल का जल वर्ष 2020 तक सभी जगह पहुंच जाएगा। आधी जगहों पर यह योजना पूर्ण हो चुकी है। पेयजल के दुरुपयोग से बचना होगा ताकि जल संरक्षण हो सके। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण कभी सूखे की स्थिति, कभी अधिक वर्षापात की स्थिति बन रही है। वर्ष 2017 में फ्लैश फ्लड की स्थिति आयी थी और इस वर्ष भी जुलाई माह में राज्य के कई जिलों में फ्लड की

स्थिति आयी, उसके बाद गंगा नदी के जलस्तर में भी वृद्धि हुई। हाल ही में 3–4 दिनों तक तेज वर्षा हुई जिसके कारण कई जगहों पर जलजमाव की स्थिति बनी। बाढ़ एवं सुखाड़ से प्रभावित लोगों के राहत एवं बचाव के कार्य में हमलोग तत्पर रहते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वर्ष जलवायु परिवर्तन पर संकट विषय पर 13 जुलाई को सभी दलों के विधान पार्षदों एवं विधायकों की बैठक हुई थी, जिसमें सर्वसम्मति से मंतव्य बनाया गया कि इसके लिए अभियान चलाया जाए। हमलोगों ने जल–जीवन–हरियाली अभियान की आज शुरुआत की है। जल–जीवन–हरियाली का मतलब है जल है हरियाली है तभी जीवन है, चाहे जीवन मनुष्य का हो या पशु–पक्षी का। 26 अक्टूबर से प्रत्येक पंचायत से इस अभियान के अंतर्गत कोई न कोई कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी। इस अभियान के तहत 11 कंपोनेंट्स को शामिल किया गया है। यह अभियान अगले 3 वर्षों तक चलेगा और राज्य सरकार अपने बजट से 24 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। पुराने तालाब, आहर, पईन, पोखर और कुओं का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। चापाकल एवं नलकूप के नजदीक सोखता का निर्माण कराया जाएगा ताकि जलस्तर ठीक हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गया और राजगीर में गंगा के जल को पहुंचाकर वहां के लोगों के लिए पेयजल की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। सभी सरकारी भवनों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग का काम किया जा रहा है। सघन वृक्षारोपण के कार्य को तेजी से किया जाएगा। राज्य के बंटवारे के बाद बिहार का हरित आवरण क्षेत्र 9 प्रतिशत था। हरियाली मिशन के तहत 19 करोड़ पौधे लगाए गए और अब राज्य का हरित आवरण 15 प्रतिशत हो गया। इस वर्ष डेढ़ करोड़ पौधे लगाए गए हैं और 17 प्रतिशत के हरित आवरण के लिए हमलोग काम कर रहे हैं। सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी काम किया जा रहा है। सभी सरकारी भवनों में सोलर प्लेट लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि फसल चक्र में परिवर्तन का अध्ययन और आंकलन कर लोगों को प्रेरित करेंगे ताकि फसलों के संकट से बचा जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बापू ने सात सामाजिक पापों की चर्चा की है। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी भवनों में सात सामाजिक पापों को इस तरह से अंकित कराना चाहिए कि वो नष्ट न हों। अगर इन बातों का प्रभाव 5 से 10 प्रतिशत लोगों के मन पर पड़ेगा तो देश और दुनिया बदल जाएगी। गांधी जी के विचारों के प्रति हमलोग समर्पित हैं और पूर्ण दृढ़ता के साथ इसके लिये काम कर रहे हैं। पर्यावरण के प्रति उनके संदेशों को अपनाते हुए जल–जीवन–हरियाली अभियान की आज शुरुआत की गयी है। मुझे पूरा भरोसा है कि नई पीढ़ी के लोग गांधी जी के मौलिक विचारों को जरुर अपनाएंगे। उन्होंने कहा कि गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता आज के संदर्भ में और महत्वपूर्ण हो गई है। सभी को अपनी भाषा पर संयम बरतना चाहिए। मीडिया को भी इसके प्रति संवेदनशील होना चाहिए। आप किसी के विचार से असहमत हो सकते हैं लेकिन इसके चलते आपस में तनाव नहीं होना चाहिए। हर किसी को एक दूसरे की गरिमा का ख्याल रखना चाहिए। एक दूसरे के विचार को महत्ता देने के लिए काम करना चाहिए। समाज में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे का माहौल कायम रखना है। हमने कभी किसी की मर्यादा का उल्लंघन नहीं किया है। हम जनहित के काम में पूरी निष्ठा के साथ लगे हुए हैं। सेवा ही हमारा धर्म है। मुझे पूरा भरोसा है कि जल–जीवन–हरियाली अभियान को हमारे अधिकारी पूरी निष्ठा से अंजाम देंगे और हर तबके का इसमें सहयोग मिलेगा। उसके बाद यहॉ पर्यावरण में होने वाले सुधारों को देखने लोग बाहर से आएंगे। उन्होंने कहा कि गांधी विचार समागम का जो आयोजन किया गया है और उसमें चर्चा के बाद नई बातें सामने आएंगी उससे समाज को लाभ होगा।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री ने गांधी जी के जीवन वृत पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री को पौधा, अंगवस्त्र और गांधी जी का चित्र भेंटकर उनका स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने गांधी जी की 150वीं जयंती पर उनके तैल चित्र पर श्रद्धा सुमन भी अर्पित किया। इस अवसर पर बापू के प्रिय भजन वैष्णव जन..... की प्रस्तुति की गई। बाल

मनोविज्ञान पर आधारित ब्रेल लिपि में 'एक था मोहन' पुस्तक एवं कैलेंडर का भी विमोचन किया गया। गांधी वाचन पर आधारित एक लघु फिल्म की भी प्रस्तुति की गई।

कार्यक्रम को उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी, सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी0 सुदर्शन रेड्डी, आई0टी0एम0 विश्वविद्यालय ग्वालियर के कुलाधिपति श्री रमाशंकर सिंह, मुख्यमंत्री के परामर्शी श्री अंजनी कुमार सिंह ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष श्री विजय कुमार चौधरी, शिक्षा मंत्री श्री कृष्णनंदन प्रसाद वर्मा, जल संसाधन मंत्री श्री संजय झा, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य श्री उदयकांत मिश्रा, मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव शिक्षा श्री आर0के0 महाजन, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, अपर सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय श्री चंद्रशेखर सिंह, पर्यावरणविद् डॉ0 वंदना शिवा, आई0टी0एम0 विश्वविद्यालय ग्वालियर के पत्रकारिता विभाग के प्रोफेसर श्री जयंत सिंह तोमर सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए गांधीवादी विचारक, सामाजिक कार्यकर्ता, वरीय पदाधिकारीगण एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित थे।

कार्यक्रम के उपरांत पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कल शाम से तीन जगहों पर पंपिंग सेट चालू हो गये हैं। उसे हम कल रात देखने भी गये थे। उसके बावजूद हम बाहर से भी पम्प मंगवा रहे हैं। हम समझते हैं कि काफी ड्रेनेज है और जहाँ कहीं भी पानी है, वह पानी जल्दी से जल्दी निकल जाएगा। ये स्थिति सबके लिए तकलीफदेह है। हम सब लोग इस काम में लगे हुए हैं। जल निकासी को लेकर मास्टर प्लान के सवाल पर उन्होंने कहा कि पहले पानी निकल जाए, उसके बाद हमलोग बैठक करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे पहले एक बार और राजेन्द्र नगर में पानी आया था। हमलोगों ने उस समय सुधार करवाया था, अगर उसमें कोई कमी या उसको ठीक ढंग से मेंटेन नहीं किया गया है तो एक–एक चीजों को देखेंगे। उन्होंने कहा कि पहले यह काम खत्म हो जाए क्योंकि यह एक तरह से आपदा की स्थिति है। उन्होंने कहा कि हमने अधिकारियों के साथ बैठक की है और उनसे हमने पूछा है कि मेंटेनेंस के लिए आप लोगों के स्तर से क्या कार्रवाई की गयी है।

******